



**हीनद्याला उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर - 273004**

पत्रांक : सम्बद्धता / 2019 / (65) 1796

Datum 30/05/2019

सोचा भे.

प्रबन्धक / प्राचार्य  
गणुराणा प्रताप ज्ञातकोल्तार महाविद्यालय, जंगल घूषण, गोरखपुर

विना - अधिकारीय योजनावर्ग में साईं सम्बद्ध के साथ है।

विषयः

उपर्युक्त विषय के रांगने में अवगत कराना है कि गान्धीय कार्यपालिका की स्थिकृति की प्रत्याशा में उत्तर प्रदेश सरकारविद्यालय अधिनियम 1973 (या संशोधित उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय द्वितीय संशोधन अधिनियम 2014) की धारा 37(2) की अधीन समिति ने मालावीविद्यालय द्वारा प्रस्तुत कामगारी, यानदानों के सम्बन्धित अभिलेखों एवं शासनादेशों के अनुसार परीक्षण किया गया। परीक्षणोंपरान्त समिति ने विश्वविद्यालय मण्डल की आवश्यकता से संस्कृति के आवाह पर समिति द्वारा विभिन्न सम्बन्धित अभिलेख एवं शासनादेशों का अनुसार परीक्षण किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा दिये गये अनुपत्ति आदेश राजबन्धी प्रक्रिया में अनुलिपत विभिन्नकारी का विवरणपूर्वी, समितिविद्यालय द्वारा दिया गया कि उपर्युक्त कागियों एवं ग्रहणविद्यालय को विश्वविद्यालय द्वारा दिये गये अनुपत्ति आदेश राजबन्धी प्रक्रिया की पूर्ण कारने के पश्चात छाई दिनांक 30 जूल, 2019 तक कर लिया जावेगा, के शर्त के अधीन। दिनांक 01.07.2019 से वापिस विभागों में अवधारी एक वर्ष देतु तथा कमियों को पूर्ण करने के पश्चात छाई

जंगल धूप, गोदापुर को स्नानक रस पर कला संकल्प में अवशिष्ट शीरजें।

राष्ट्रवादी संगठनों को संसदीय विधायक में नहीं बहुमत प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा, राष्ट्रवादी संगठनों को अधिक प्रवासन की जाती है।



माराठी संस्कार वीक्षण)मिति/सालमध्या/ २०१९ / ..... ददिनांक।

पृष्ठाकर्न संख्या: दादिग्रामिक प्रक्रिया/संपर्क/ 2013 / ...  
प्रतिविधि सिनलिखित को सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

(1) प्रामाणिक नियन्त्रित कार्यालयों का उपयोग विभिन्न विधियों के अनुसार किया जाता है।

(1). प्रमुख साध्य, उच्च विद्या जुनु, विद्या विद्या, विद्या विद्या। (2). अविद्यामा शिष्य रागयोग/परीक्षा नियत्रक/उच्च विद्यार्थिय, परीक्षा रागान्य, दीर्घदृश्य पौरीतिविदि, गारसारु। (3). लाभुत्त्वावेष, कठोरी की इन आशयों का मापन करने की विधि की विवादित।

(3) अधिकारी, रिकार्ड-कार्यालय/परस्तावना के अनुसार आगामी वैठक में प्रत्यक्ष करने का कारबला करें।

(६) गाहूं पाईल (राष्ट्रविकास)।

## (6). गांडि पाइल (राष्ट्रवक्ता)

प्राचीन  
कल्पराशिव

प्राचीन विज्ञा



दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर – 273009

पत्रांक : राष्ट्रद्वारा / 2019 / (6) 1795

सोला वे

प्रबन्धक / प्राचार्य

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूषण, गोरखपुर

दिनांक 30/05/2019

**विषय :** स्वातंक स्तर पर विज्ञान संकाय के अन्वर्गत शीर्षीयों पर धार्यक्रम, कला संकाय के अन्वर्गत कम्प्यूटर एटीकेशन, शारीरिक शिक्षा तथा स्वातंकोत्तर स्तर पर कला संकाय के अन्वर्गत इन्डी, उत्तिहास, गुणविज्ञान एवं विज्ञान संकाय के अन्वर्गत सांख्यिकी परिवेदी की अस्याई सम्बन्धों के सामन्य में।

२५४

उपर्युक्त विषय के सदाचार में अधिकतम करना है कि नामनीय कार्यालयित वीर्याद्धति की प्रवाहाश में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 (यथा राज्यसंचालित उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय द्वितीय गणधर्म अधिनियम 2014) की घासा 37(2) के अन्तीम संस्करणे ने मानविद्यालय द्वारा प्रस्तुत कागजातों सम्बन्धमा से सामन्वित अभिलेखों एवं शासनादेशों के अनुसार परीक्षण किया गया। परीक्षणापाइन समिति ने विशेषण मण्डल की आख्या एवं संस्कृति के अध्यार पर समिति द्वारा विभिन्न लिया गया कि उपर्युक्त कमियों एवं महाविद्यालय को विश्वविद्यालय द्वारा दिये गये अवाप्ति आदेश समझौती पर मेरु उत्तरित कमियोंसहित का विवरण पूर्वी, महाविद्यालय द्वारा दिवांक 30 जून, 2019 तक कर लिया जायेगा, के शर्त के अधीन। दिवांक 01.07.2019 से आगामी तीव्र एवं दो वर्ष तेजु यथित विषयों में कमियों को पूर्ण करने वीर्याद्धति के शर्त पर अस्थाई सम्बद्धता प्रदान करने की संस्कृति की जारी है। अव्याधी की स्थिति में जारी की गयी सम्बद्धता स्थित: विस्तृत जारी जायेगी।

राज्यदाता समिति की संस्थाने के अधिकारी एवं महाराष्ट्र प्राप्त स्वातंत्र्यतर महाल धूपण, राज्यपुरात्र को स्वातंत्र्य स्तर पर विद्वान संकाय के अन्वर्गीत वी०सी०ए० पास्यक्रम, कला संकाय के अवर्गीत कम्यूटर एवं किंवदन्तीके शिल्प, शारीरिक शिक्षा तथा स्वातंत्र्योत्तर, जंगल पर कला संकाय के अन्वर्गीत हिन्दी, इतिहास, गृहीविज्ञान एवं विद्वान संकाय के अन्वर्गीत संस्थियकी विषयों की अस्साई सम्बन्धित दिनांक ०१.०७.२०१९ से निम्नलिखित शारों के आधीन प्रदान की जाती है-

- महाविद्यालय, सम्बद्धता समिति द्वारा इनिटिएटिव कमिटी द्वारा— शिक्षक अनुप्रोद्धन वर्षित है। अवधारणा ऐसी रिपोर्ट वर्षित है। मूल एफडीआर वर्षित है। साथ ही अनापति पत्र में दी गयी शर्तों को पूर्ण करने के उपरान्त ही विश्वविद्यालय से कक्षा साचालन की अनुमति प्राप्त करेगा। कक्षा साचालन की अनुमति प्राप्त करने के उपरान्त ही छात्रों का प्रवेश सुनिश्चित करेगा। अन्यथा की स्थिति में लिया गया छात्रों का प्रवेश अपैत माना जायेगा।
  - महाविद्यालय द्वारा प्राचार्य/प्रवक्ताओं को कार्यामार प्रहण करने के लिये एक पत्र विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराया जायेगा तथा इनका बैंक के माध्यम से वेतन भुगतान कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
  - राजस्थानादेश संख्या—2851 /सतर-2-2003-16(92)/2002 दिनांक 02 जुलाई 2003 एवं शासनादेश संख्या 4108 /सतर-2-2007-2(494)/2007 दिनांक 17.10.2007 तथा शासनादेश संख्या 2112 /सतर-2-2008- 2(494)/2007 दिनांक 09 मई 2008 में उल्लिखित सुसमग्रत विश्वविद्यालय—निर्देशों एवं इस विषय में सम्बन्ध समय पर निर्णय अन्य सुसमग्रत शासनादेशों का पालन करेगी।
  - रिट यांचिका संख्या 61859/2012 में पारित आदेश दिनांक 20.12.2012 के अनुपालन हेतु मानवानुसार शिक्षकों का अनुप्रोद्धन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्णय शासनादेश संख्या 522/सतर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक 30 अप्रैल 2013 का अनुपालन महाविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
  - करिपय संस्थानों/महाविद्यालय वा संशोधन सम्बद्धता आदेशों में इनिटिएटिव कमिटी द्वारा गठित कर्तव्य सम्बन्धित अधिकारी वा गठित कर्तव्य सम्बन्धित एक मह में पूर्ण करने की गृहना विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना रुक्मिणीकरण करेगा। इसका विश्वविद्यालय के कुलगवित को दुरा असाध का प्रमाणपत्र प्रतिक्रिया प्रेषित करेगा कि राजस्थान/महाविद्यालय सम्बद्धता वी शर्तों को निरन्तर पूर्ण कर रहा है।
  - यदि सभ्या द्वारा विश्वविद्यालय की विशिष्टनावकली/अधिनियम में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता तथा उनकी विनियन्त्रण को सुनिश्चित नहीं किया जाएगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के प्राविधिकों के अतिरिक्त संरक्षा को प्रदान की गई सम्बद्धता वापरा लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जाएगी।
  - राजस्थान द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम (संशोधन) अध्यादेश 2003 द्वारा मूल अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के अनुसार सम्बद्धता प्राप्ति की लिये रो एक वर्ष की अवधि में राजी विश्वविद्यालय को पूर्ण कर दिया जायेगा, अन्यथा अगले सत्र से छात्रों का प्रवेश प्रतिवर्षित रहेगा।
  - राजस्थान का राजावालन व्यवसायिक अधार पर नहीं किया जायेगा।
  - संख्या शासन/विश्वविद्यालय द्वारा समय समय पर निर्मात विद्ये जाने वाले गमरत आदेशों का सम्बन्ध अनुपालन सुनिश्चित करेगी।
  - संख्या विश्वविद्यालय द्वारा समय समय पर निर्मात विद्ये जाने वाले गमरत आदेशों का सम्बन्ध अनुपालन सुनिश्चित करेगी।
  - राजस्थान व्यवसितपर्याप्ति पाठ्यक्रमों के सचालन के सम्बद्ध से अधिनियम/परिनियम/अध्यादेश/शासनादेशों में दी गई व्यवस्था/निर्देशों का सम्बद्ध अनुपालन सुनिश्चित करेगी।
  - महाविद्यालय की अरथाई सम्बद्धता की संस्तुति इस शर्त के साथ की जाती है कि महाविद्यालय को दी जाने वाली सम्बद्धता में यदि कोई वैधानिक प्रक्रिया अथवा नियमों का उल्लंघन भविष्य में पायी जाती है तो सम्बद्धता स्वतः समाप्त हो जायेगी और उपरोक्त के सामने में गहाविद्यालय के विरुद्ध नियमानुसार आदरशक वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।
  - महाविद्यालय द्वारा एनोआईएसएचओई 2017-18 एवं 2018-19 का फार्म पूरित कर दिया जायेगा अन्यथा की स्थिति में सम्बद्धता वापस लेने की नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
  - महाविद्यालय एनोसीटीओई द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्देशों का अनुपालन करेगा, अन्यथा विश्वविद्यालय द्वारा दी गयी सम्बद्धता स्वतः निरस्त मानी जायेगी।

पृष्ठाकान संख्या: दीदउगोनिवि/सम्बद्धता/2019 / ..... तदपिनांक।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- (1). प्राची रथिय, उच्च शिक्षा अनुभाग—6, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ। (2). निवेशक, उच्च शिक्षा उम्प्र०, इलाहाबाद/धर्मोर्य उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर।
- (3). आधिकारी, शिक्षा संकाय/परीक्षा नियन्त्रक/उप कुलसंचिव परीक्षा समाज, दीनदल० गोरखपुर। (4). उपकुलसंचिव, कमेटी को इस आशय से प्रेषित फे माननीय कार्यपालिका के अनुसोदन हेतु इसे आगामी बैठक में प्रस्तुत करने का काट करे/कुलसंचिव कार्यालय। (5). संविध कृत्यपि, कृत्यपति जी के सूचनाएँ।
- (6). गाई फाईल (सम्बद्धता)।

मध्याधीय  
कुलसंघिव

ଫୁଲସାଧିକ



## दीनद्याला उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर - 273009

पत्रांक : सम्बद्धता/2019/(6).....1795

सेता मे.

प्रबन्धक / प्राचार्य

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर शास्त्रज्ञान, जंगल घृण, गोरखपुर

दिनांक 30/05/2019

**विषय :** स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय के अन्वर्ति बी०सी०१०० पाठ्यक्रम, कला संकाय के अन्वर्ति कम्प्यूटर एप्लीकेशन, शारीरिक शिक्षा तथा स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के अन्वर्ति हिन्दी, इतिहास, गृहशिल्प एवं विज्ञान संकाय के अन्वर्ति सांख्यिकी विषयों की अस्थाई सम्बद्धता गोरखपुर में।

गहोदय,

उपर्युक्त विषय के संदर्भ में अवगत करना है कि माननीय कार्यपरिषद की त्वीकृति की प्रत्याशा में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 (यथा सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय द्वितीय संशोधन अधिनियम 2014) की धारा 37(2) के अधीन समिति में महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत कागजातों, सम्बद्धता रो सम्पूर्ण अभिलेखों एवं शासनादेशों के अनुसार परीक्षण किया गया। परीक्षणपरान्त समिति ने विशेषण मण्डल की आलोचना एवं संस्कृति के आधार पर समिति द्वारा विषय लिया गया कि उपर्युक्त कठिनों एवं गहाविद्यालय की विश्वविद्यालय द्वारा दिये गये अनापत्ति आदेश रामबद्धी पत्र में उल्लिखित कठिनों/शर्तों का विराकरण/पूर्ति, महाविद्यालय द्वारा दिया गया 30 जून, 2019 तक कर दिया जायेगा, के शर्त के अधीन। दिनांक 01.07.2019 से आगामी तीव्र एवं दो वर्ष हेतु यात्रियों में कठिनों को पूर्ण करने की शर्त पर अस्थाई सम्बद्धता प्रदान करने की संस्कृति की जाती है, अस्थाई की शर्ति में जारी की गयी सम्बद्धता स्वतः विज्ञान संकाय में जारी जायेगी।

सम्बद्धता समिति की संस्कृति के आधार पर महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर गहाविद्यालय, जंगल घृण, गोरखपुर को स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय के अन्वर्ति बी०सी०१०० पाठ्यक्रम, कला संकाय के अन्वर्ति कम्प्यूटर एप्लीकेशन, शारीरिक शिक्षा तथा स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के अन्वर्ति हिन्दी, इतिहास, गृहशिल्प एवं विज्ञान संकाय के अन्वर्ति सांख्यिकी विषयों की अस्थाई सम्बद्धता गोरखपुर में जारी जायेगी।

1. महाविद्यालय, सम्बद्धता समिति द्वारा दिया गया कठिनों की अस्थाई सम्बद्धता दिनांक 01.07.2019 से निम्नलिखित शर्तों के अधीन प्रदान की जाती है। साथ ही अनापत्ति पत्र में दी गयी शर्तों को पूर्ण करने के उपरान्त ही विश्वविद्यालय द्वारा कक्षा संचालन की अनुमति प्राप्त करेगा। कक्षा संचालन की अनुमति प्राप्त करने के उपरान्त ही छात्रों का प्रवेश सुनिश्चित करेगा। अन्यथा की शर्ति में लिया गया छात्रों का प्रवेश अवैध गाना जायेगा।

2. महाविद्यालय द्वारा प्राचार्य/प्रवक्ताओं को कार्यभार ग्रहण करा कर नियुक्ति पत्र, कार्यगार ग्रहण प्रणाली पत्र एवं संविदा पत्र विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराया जायेगा तथा इनका बैंक के गायत्री रो वेतन भुगतान कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

3. संरक्षा शासनादेश संख्या-2051/रातर-2-2003-16(92)/2002 दिनांक 02 जुलाई, 2003 एवं शासनादेश राख्या 4108/रातर-2-2007-2(494)/2007 दिनांक 17.10.2007 तथा शासनादेश संख्या 2112/सतर-2-2008-2(494)/2007 दिनांक 09 गई, 2008 में उल्लिखित गुरुगणत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय में समय-समय पर निर्धारित अन्य सुरक्षांत शासनादेशों का पालन करेगी।

4. रिट यात्रिया संख्या 61859/2012 में परित आदेश दिनांक 20.12.2012 के अनुसालन हेतु गानकानुराग शिक्षकों का अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्धारित शासनादेश संख्या 522/सतर-2-2013-2(650)/2012 दिनांक 30 अप्रैल, 2013 का अनुसालन महाविद्यालय द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

5. कठिनाय संस्थानों/महाविद्यालय को सर्वांगीन आदेशों में इनियत कठिनों की पूर्ति से सम्बन्धित अधिलेख महाविद्यालय एक माह में पूर्ण करने की सूचना विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराया सुनिश्चित करेगा। संस्था विश्वविद्यालय के कुलसंचय को इस आशय का प्रमाणपत्र प्रतिवर्ष प्रेषित करेगा कि संस्थान/महाविद्यालय सम्बद्धता की शर्तों को निरन्तर पूरी कर रहा है।

6. यदि संस्था द्वारा विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अधिनियम में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्ति तथा उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जाएगा, तो उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के प्राविधिकों के अंतर्भूत संस्था को प्रदान की गई सम्बद्धता वापस लिए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जाएगी।

7. संरक्षा द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम (संशोधन) अध्यादेश 2003 द्वारा मूल अधिनियम 1973 की धारा 37(2) के अनुसार सम्बद्धता प्राप्ति की तिथि से एक वर्ष की अवधि में सभी निधरित मानकों को पूर्ण कर दिया जायेगा, अन्यथा आगले सत्र से छात्रों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

8. संरक्षा का संचालन व्यावसायिक आधार पर नहीं किया जायेगा।

9. संरक्षा शासन/विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर निर्धारित किये जाने वाले समस्त आदेशों का सम्यक् अनुपालन सुनिश्चित करेगी।

10. संरक्षा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रवेश क्षणता रो अधिक प्रवेश कदापि नहीं करेगी तथा विद्यार्थियों से शासन/विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शिक्षण व अन्य शुल्क ही प्राप्त करेगी।

11. संरक्षा परिसर को रैमिंग मुक्त रखेगी।

12. संरक्षा स्ववित्तपोरित पाठ्यक्रमों के संचालन के सम्बन्ध में अधिनियम/परिनियम/अध्यादेश/शासनादेशों में दी गई व्यवस्था/निर्देशों का सम्यक् अनुपालन सुनिश्चित करेगी।

13. महाविद्यालय की अस्थाई सम्बद्धता की संस्कृति इस शर्त के साथ की जाती है कि महाविद्यालय को दी जाने वाली सम्बद्धता में यदि कोई वैद्यानिक प्रक्रिया अथवा नियमों का उल्लंघन नियमित रूप से पायी जाती है तो सम्बद्धता व्यतीकरण के साथ सम्बन्धित विवरण द्वारा नियमानुसार आवश्यक वैद्यानिक कार्यवाही की जायेगी।

14. महाविद्यालय द्वारा ए०सी०१००ए०स०१०० 2017-18 एवं 2018-19 का फार्म पूरित कर दिया जायेगा अन्यथा की शर्ति में सम्बद्धता वापस लेने की नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

15. महाविद्यालय ए०सी०१००ए०स०१०० 2017-18 एवं 2018-19 का फार्म पूरित कर दिये गये निर्देशों का अनुपालन करेगा, अन्यथा विश्वविद्यालय द्वारा दी गयी सम्बद्धता व्यतीकरण के साथ सम्बद्धता वापस लेने की नियमानुसार मानी जायेगी।

गोपीनाथ  
कुलसंचिव

पुष्टाकां संख्या: दीवडगोविवि/सम्बद्धता/2019/.....तददिनांक/

प्रतीलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- (1). प्रमुख संचिव, उच्च शिक्षा अनुवादा-6, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ। (2). निदेशक, उच्च शिक्षा उ०प्र०, इलाहाबाद/केंद्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर। (3). अधिकारी, शिक्षा संकाय/परीक्षा नियंत्रक/उप कुलसंचिव, परीक्षा सामान्य, दी०द०००० गोरखपुर। (4). उपकुलसंचिव, कमेटी को इस आशय से प्रेषित किया गया नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। (5). संचिव कुलपति जी के सूचनार्थ। (6). गार्ड फाईल (सम्बद्धता)।

कुलसंचिव